राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • बृहस्पतिवार • 13 जुलाई • 2023

ाब प्रदेश में भी होगी नारियल व सब्जी मसालों की खेती

हारा न्यूज ब्यूरो

ुर।

ड्रार आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक ग्रद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह या कि उत्तर प्रदेश में अव नारियल और मसालों की खेती होगी। श्री सिंह ने वताया नके लिये खाका तैयार किया जा रहा है। ग्रद्यालय का प्रयास ऐसी खेती को वढ़ावा 'है, जिससे किसानों की आय वढ़ सके। श्री ' वताया कि अव रासायनिक के स्थान पर : खेती पर अधिक जोर दिया जायेगा।

त्रकारों से वात करते हुए सीएसए के ति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने कहा कि उत्तर में पौष्टिक अनाजों के उत्पादन को वढ़ाने ये किसानों को जागरूक करना उनकी कता है। उन्होंने वताया कि पिछले कई ' प्रदेश में अनाज का उत्पादन लगातार वढ़ । अव प्रदेश में नारियल और सब्जी ों की खेती की भी तैयारी की जा रही है। कहा कि प्रयास यह है कि जो मसाले ग्राहर से मंगाए जाते हैं, उनका उत्पादन यहीं । जाये। इसके लिये विश्वविद्यालय ों के साथ मिलकर काम करेगा। श्री सिंह ने वताया कि कोविड काल के पहले देश से 24 हजार करोड़ कीमत के मसालों का निर्यात किया जा रहा था, जवकि कोरोना काल के वाद अव सालाना 32 हजार करोड़ का निर्यात किया जा रहा है। हमारा प्रयास है कि उत्तर प्रदेश भी इस निर्यात में भागीदार वने। इसके लिये उत्तर प्रदेश में अव नारियल और सब्जी मसालों की खेती की तैयारी की जा रही है। प्रयास है कि प्रदेश में नारियल के साथ साथ लौंग, इलायची, काली मिर्च, जावित्री जैसे मसालों की खेती यूपी में की जाए। जल्द ही किसानों के साथ वैठकर इस प्रयास को अमली जामा पहनाने की तैयारी की जायेगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की जमीन पर नारियल व सब्जी मसालों का अच्छा उत्पादन किया जाएगा। उन्होंने वताया कि नारियल की खेती गंगा किनारे की जायेगी। श्री सिंह ने दावा किया कि गंगा किनारे जो नारियल पैदा होंगे, उनमें मिठास भी अधिक होगी। यह नारियल लोगों को पसंद आयेगा। श्री सिंह ने कहा कि प्रदेश के 22 जिलों में फसलों विविधीकरण वढ़ाने पर काम किया जायेगा। किसानों की आय कैसे वढ़े, इस योजना पर काम किया जायेगा। उन्होंने वताया कि यह भी देखा जायेगा कि किस तरह की खेती करायी जाये, जिससे किसानों की आय वढ़ायी जाये।

सीएसए में नारियल व सब्जी मसाले की खेती पर जानकारी देते कुलपति प्रो. आनंद कुमार सिंह। फोटो : एसएनबी

सीएसए कुलपति ने कहा रासायनिक के स्थान पर जैविक खेती पर रहेगा जोर

प्रदेश में लौंग इलायची, जावित्री और काली मिर्च आदि की खेती को लेकर तैयारी

औषधीय फसलें भी उगाएंगे : कुलपति ने वताया कि विश्वविद्यालय का प्रयास औषधीय महत्व की खेती को वढ़ावा देने का भी है। मौजूदा समय में तुलसी और एलोवेरा आदि की वहुत मांग है। इनकी खेती कराने से पहले वाजार में इनकी मांग की स्थिति का अध्ययन किया जायेगा, इसके वाद उसी हिसाव से उत्तर प्रदेश में इनका उत्पादन कराया जायेगा। हमारा प्रयास है कि जैविक खेती को वढ़ावा दिया जाये। जव से रासायनिक खेती होने लगी है, तव से कैंसर, रक्तचाप और मधुमेह जैसी वीमारियां तेजी से वढ़ी हैं। किसानों को रासायनिक खेती न करने के लिये जागरूक किया जायेगा। इसके लिये जरूरी होने पर उन्हें प्रशिक्षण भी दिया जायेगा। यहां डॉ. पीके सिंह, डॉ. सीएल मौर्य, डॉ. आरके यादव, डॉ. विजय यादव और डॉ. खलील खान आदि थे।

उत्तर प्रदेश में नारियल और सब्जी मसाले की होगी खेती

अनवर अशरफ । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति ने कहा रासायनिक खेती की जगह जैविक खेती पर दिया जाएगा जोर

उत्तर प्रदेश में पौष्टिक अनाजों के उत्पादन को बढ़ाना है और किसानों को इसके लिए जागरूक करना ही पहली प्राथमिकता है। यह बात चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनंद कुमार सिंह ने बुधवार को पत्रकारों से वार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों सेलगातार अनाज का उत्पादन बढ़ रहा है और बिक्री में भी बढ़ोतरी हुई है। अब उत्तर प्रदेश में नारियल की खेती होगी। इसके अलावा सब्जी मसालों की भी खेती की जाएगी। हमारा प्रयास है कि जो मसाले अभी बाहर से खरीदे जाते हैं। उनका भी यहां पर उत्पादन हो। इसके लिए हम अपने किसान भाइयों के साथ मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि कोविड में समझ में आया मसालों का महत्व

कुरौना काल के पहले की बात करें तो 24000 करोड़ का निर्यात मसालों का किया गया है लेकिन कोरोना काल के बाद 32000 करोड़ों का निर्यात अब मसालों का हो रहा है । उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि लौंग,काली मिर्च, इलाइची,जावित्री जैसे मसाले अब यूपी की जमीन में भी हो इसके लिए हम लोग पूरा खाका तैयार कर रहे हैं।जल्द ही किसानों के साथ बैठक कर इस खेती को आगे बढ़ाने पर काम किया जाएगा। यह खेती अपने यूपी के अंदर भी हो सकती है और इसका अच्छा उत्पादन भी होगा।

इसके अलावा उन्होंने कहा कि पूरे भारतवर्ष में नारियल का उत्पादन 24 मिलियन टन था। वर्तमान की बात करें तो अब 24 बिलियन टन पर पहुंच गया है। 21 लाख हेक्टेयर में इसकी खेती की जा रही है। अब हम लोग गंगा किनारे खेती करेंगे। आपको बता दें कि गंगा के किनारे जो नारियल होंगे उसमें मिठास बहुत अधिक होगी। यह नारियल लोगों को बहुत पसंद आएगा।

324 मिलियन टन हो रहा अनाज

कुलपति आनंद कुमार सिंह ने बताया कि पहले के समय 50 मिलियन टन अनाज होता था। यह आंकड़ा आज से लगभग 50 साल पहले का है लेकिन अब हम लोग आजादी के अमृत महोत्सव को मना रहे हैं। पिछले वर्ष 324 मिलियन टन अनाज हुआ है। दिन पर दिन हमारी उत्पादन शक्ति बढ़ रही है। जब कोरोना काल था तब भी कृषि क्षेत्र में काफी अच्छा उत्पादन किया है, जिस समय सारी चीजें पटरी से उतर गई थी। उस समय भी कृषि क्षेत्र काफी मजबूत साबित हुआ है।

प्रदेश के 22 जिलों में फसल का विविधीकरण बढ़ाना है।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि प्रदेश के 22 जिलों में फसलों का विविधीकरण बढ़ाने पर काम किया जाएगा। किसानों की आय कैसे बढ़े इस योजना पर काम किया जा रहा है। अगर उत्पादन बढ़ता है तो किसानों की आय भी बढ़ेगी। हम लोग यह देख रहे हैं कि कौन सी खेती कराई जाए, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मोटे अनाजों की खेती को लेकर काफी जागरूक है। हमारा प्रयास है कि उनकी हर योजना को किसानों तक पहुंचाया जाए। इसके बाद इसके उत्पादन को बढ़ाने पर काम किया जाए।

औषधियों की करेंगे खेती

कुलपति ने कहा कि हमारा एक प्रयास और है कि अब हम लोग औषधि वाली खेती करेंगे। तुलसी, एलोवेरा जैसी चीजों की बहुत मांग है। पहले हम लोग बाजार में देखेंगे किसकी कितनी मांग है। उसके हिसाब से इसका उत्पादन यूपी के अंदर तेजी से बढ़ाया जाएगा, जो धार्मिक धरोहर है उसे बनाने का पहले प्रयास किया जाएगा। मार्केट का सर्वे कराना इसलिए जरूरी है कि किसी चीज का कितना उत्पादन करें ताकि बाद में वह चीज बर्बाद न हो। हमारा प्रयास है कि परंपरागत खेती हो। बायोलॉजिकल खेती का रहेगा प्रयास

कुलपति प्रोफेसर आनंद कुमार सिंह ने कहा कि जब से रासायनिक खेती होने लगी है तब से कैंसर, बीपी, शुगर जैसी बीमारियां तेजी से बढ़ी है। इसलिए हम किसानों को पहले जागरूक करेंगे कि वह रासायनिक खेती ना करें क्योंकि किसान भाई उत्पादन को बढ़ाने के लिए रासायनिक खेती करते हैं। मगर उन्हें इन सब चीजों से रूबरू कराएंगे और बायोलॉजिकल तरीके से खेती कराएंगे। इसके लिए अगर उन्हें प्रशिक्षण भी देना पड़ा तो वह भी दिया जाएगा।

22 मिलियन टन हुआ टमाटर

उन्होंने बताया कि अपने देश में 18 मिलियन टन टमाटर की जरूरत है। इस वर्ष करीब 22 मिलियन टन टमाटर हुआ है। 114 हेक्टेयर में इसकी खेती की गई है। टमाटर क्यों महंगा है? इस सवाल पर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन विशेषज्ञों की मानें तो बिचौलिए की वजह से टमाटर काफी महंगा है, क्योंकि वह लोग उसका भंडारण किए हुए हैं।

अपने पाठ्यक्रम तक सीमित न रहे छात्र छात्राएं

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि छात्र–छात्राएं अपने पाठ्यक्रम तक ही सीमित ना रहे। आजकल प्रतिस्पर्धा का जमाना है। आपको आगे बढ़कर कुछ अलग करके दिखाना है। इसलिए पढ़ाई के साथ–साथ आपको यह भी पता होना चाहिए कि सरकार की कितनी योजनाएं हैं और उस योजनाओं को किसानों तक कैसे पहुंचाया जाए। तभी आप आगे बढ़ सकते हैं। वर्तमान समय में हम लोग 210 फसलों पर शोध कर रहे हैं। इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ पी के सिंह, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्य, निदेशक कृषि प्रसार डॉक्टर आरके यादव, निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय यादव, कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय, मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान , डॉक्टर नौशाद खान, डॉ राम भाटी सिंह एवं डॉ वी के त्रिपाठी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

वर्ष-17 अंक-190 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, गुरूवार 13 जुलाई 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात में प्रसारित

दैनिक नगर छाया

RNI N.UPHIN/2007/27090

आप की आवाज़.....

पौष्टिक अनाज का उत्पादन बढ़ाने पर किसानों को किया जाएगा जागरूक

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति ने कहा रासायनिक खेती की जगह जैविक खेती पर दिया जाएगा जोर

कानपुर (नगर छाया समाचार)। उत्तर प्रदेश में पौष्टिक अनाजों के उत्पादन को बढ़ाना है और किसानों को इसके लिए जागरूक करना ही पहली प्राथमिकता है। यह बात चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनंद कुमार सिंह ने बुधवार को पत्रकारों से वार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों सेलगातार अनाज का उत्पादन बढ़ रहा है और बिक्री में भी बढ़ोतरी हुई है। अब उत्तर प्रदेश में नारियल की खेती होगी। इसके अलावा सब्जी मसालों की भी खेती की जाएगी। हमारा प्रयास है कि जो मसाले अभी बाहर से खरीदे जाते है। उनका भी यहां पर उत्पादन हो। इसके लिए हम अपने किसान भाइयों के साथ मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि कोविड में समझ में आया मसालों का महत्व

कुरौना काल के पहले की बात करें तो 24000 करोड़ का निर्यात मसालों का किया गया है लेकिन कोरोना काल के बाद 32000 करोड़ों का निर्यात अब मसालों का हो रहा है । उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि लौंग,काली मिर्च, इलाइची,जावित्री जैसे मसाले अब यूपी की जमीन में भी हो इसके लिए हम लोग पूरा खाका तैयार कर रहे है।जल्द ही किसानों के साथ बैठक कर इस खेती को आगे बढ़ाने पर काम किया जाएगा। यह खेती अपने यूपी के अंदर भी हो सकती है और इसका अच्छा उत्पादन भी होगा।

इसके अलावा उन्होंने कहा कि पूरे भारतवर्ष में नारियल का उत्पादन 24 मिलियन टन था। वर्तमान की बात करें तो अब 24 बिलियन टन पर पहुंच गया है। 21 लाख हेक्टेयर में इसकी खेती की जा रही है। अब हम लोग गंगा किनारे खेती करेंगे। आपको बता दें कि गंगा के किनारे जो नारियल होंगे उसमें मिठास बहुत अधिक होगी। यह नारियल लोगों को बहुत पसंद आएगा।

324 मिलियन टन हो रहा अनाज

कुलपति आनंद कुमार सिंह ने बताया कि पहले के समय 50 मिलियन टन अनाज होता था। यह आंकड़ा आज से लगभग 50 साल पहले का है लेकिन अब हम लोग आजादी के अमृत महोत्सव को मना रहे हैं। पिछले वर्ष 324 मिलियन टन अनाज हुआ है। दिन पर दिन हमारी उत्पादन शक्ति बढ़ रही है। जब कोरोना काल था तब भी कृषि क्षेत्र में काफी अच्छा उत्पादन किया है, जिस समय सारी चीजें पटरी से उतर गई थी। उस समय भी कृषि क्षेत्र काफी मजबूत साबित हुआ है।

प्रदेश के 22 जिलों में फसल का विविधीकरण बढ़ाना है

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि प्रदेश के 22 जिलों में फसलों का विविधीकरण बढ़ाने पर काम किया जाएगा। किसानों की आय कैसे बढ़े इस योजना पर काम किया जा रहा है। अगर उत्पादन बढ़ता है तो किसानों की आय भी बढ़ेगी। हम लोग यह देख रहे है कि कौन सी खेती कराई जाए, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मोटे अनाजों की खेती को लेकर काफी जागरूक है। हमारा प्रयास है कि उनकी हर योजना को किसानों तक पहुंचाया जाए। इसके बाद इसके उत्पादन को बढ़ाने पर काम किया जाए।

औषधियों की करेंगे खेती

कुलपति ने कहा कि हमारा एक प्रयास और है कि अब हम लोग औषधि वाली खेती करेंगे। तुलसी, एलोवेरा जैसी चीजों की बहुत मांग है। पहले हम लोग बाजार में देखेंगे किसकी कितनी मांग है। उसके हिसाब से इसका उत्पादन यूपी के अंदर तेजी से बढ़ाया जाएगा, जो धार्मिक धरोहर है उसे बनाने का पहले प्रयास किया जाएगा। मार्केट का सर्वे कराना इसलिए जरूरी है कि किसी चीज का कितना उत्पादन करें ताकि बाद में वह चीज बर्बाद न हो। हमारा प्रयास है कि परंपरागत खेती हो।

बायोलॉजिकल खेती का रहेगा प्रयास

कुलपति प्रोफेसर आनंद कुमार सिंह ने कहा कि जब से रासायनिक खेती होने लगी है तब से कैंसर, बीपी, शुगर जैसी बीमारियां तेजी से बढ़ी है। इसलिए हम किसानों को पहले जागरूक करेंगे कि वह रासायनिक खेती ना करें क्योंकि किसान भाई उत्पादन को बढ़ाने के लिए रासायनिक खेती करते है। मगर उन्हें इन सब चीजों से रूबरू कराएंगे और बायोलॉजिकल तरीके से खेती कराएंगे। इसके लिए अगर उन्हें प्रशिक्षण भी देना पड़ा तो वह भी दिया जाएगा।

22 मिलियन टन हुआ टमाटर

उन्होंने बताया कि अपने देश में 18 मिलियन टन टमाटर की जरूरत है। इस वर्ष करीब 22 मिलियन टन टमाटर हुआ है। 114 हेक्टेयर में इसकी खेती की गई है। टमाटर क्यों महंगा है? इस सवाल पर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन विशेषज्ञों की मानें तो बिचौलिए की वजह से टमाटर काफी महंगा है, क्योंकि वह लोग उसका भंडारण किए हुए हैं।

अपने पाठ्यक्रम तक सीमित न रहे छात्र छात्राएं

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि छात्र-छात्राएं अपने पाठ्यक्रम तक ही सीमित ना रहे। आजकल प्रतिस्पर्धा का जमाना है। आपको आगे बढ़कर कुछ अलग करके दिखाना है। इसलिए पढ़ाई के साथ-साथ आपको यह भी पता होना चाहिए कि सरकार की कितनी योजनाएं है और उस योजनाओं को किसानों तक कैसे पहुंचाया जाए। तभी आप आगे बढ़ सकते हैं। वर्तमान समय में हम लोग 210 फसलों पर शोध कर रहे है। इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ पी के सिंह, अधिष्ठता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्य, निदेशक कृषि प्रसार डॉक्टर आरके यादव, निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय यादव, कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय, मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान , डॉक्टर नौशाद खान, डॉ राम भाटी सिंह एवं डॉ वी के त्रिपाठी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

व राइस कम मिल रहा है. कोटेदारों पर कार्रवाई का दावा भी किया जा रहा है. इसके बावजूद सप्लाई कम

व दुकानें खुली रखने के निर्देश भी दिए गए हैं. इसके बावजूद कोटेदार कम खाद्यान्न दे रहे हैं.

कि कोटेदार राजू घटतौली कर रहा है. छह यूनिट के राशनकार्ड पर 28 किलो खाद्यान्न दे रहा है.

की जमानत राशि जब्त की जा रही है.
राकेश कुमार, जिलापूर्ति अधिकारी

बोलने पर खिड़की से झांक कर देखा तो उसका शव फांसी के फंदे पर लटक रहा था.

रही. हालांकि सफलता नहीं मिली. पुलिस की तलाश महाराजपुर से दिल्ली तक हुई. दूसरी ओर फरार भतीजों की

गंगा का किनारा है. बोरे में बुधवार को पुलिस गंगा गांवों व घाटों में भी लगी

दैनिक जागरण

Kanpur, Thursday, 13 July 2023

KANPUR EDITION

Price ₹ 3.00/-
Pages 12

www.inextlive.com

Published from KANPUR • Agra • Bareilly • Dehradun • Gorakhpur • Jamshedpur • Lucknow • Meerut • Patna • Prayagraj • Ranchi • Varanasi

बंगाल में फिर भड़की हिंसा }07

राहत: कल से सस्ता मिलेगा टमाटर }07

inext DYNAMIC EDITION

#BalasoreAccident
#WIvIND
#Chandrayaan-3

Max:
Min :

किसानों की इनकम बढ़ाने को ट्रेडीशनल फार्मिंग को मॉडर्न में बदलेगा सीएसए

गंगा किनारे नारियल, खेतों में पैदा करेगा मसाले

एग्रीकल्चर की पढ़ाई में शामिल होगा AI और ML, ड्रोन टेक्नोलॉजी भी पढ़ाएंगे

यूनिवर्सिटी से जुड़े 22 जिलों में मसालों और मेडिटेशनल प्लांट की होगी फार्मिंग, जल्द शुरू होंगे ट्रायल

kanpur@inext.co.in

KANPUR (12 July): चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के साइंटिस्ट अब गंगा किनारे नारियल, खस और मेडिटेशनल प्लांट की खेती का ट्रायल करेंगे. इसके अलावा किसानों की इनकम बढ़ाने के लिए ट्रेडीशनल फार्मिंग को मॉडर्न फार्मिंग में कन्वर्ट किया जाएगा. वेडनेसडे को सीएसए वीसी डॉ. आनंद कुमार सिंह ने बताया कि यूनिवर्सिटी की वर्किंग एरिया 22 जिलों में मसालों और मेडिटेशनल प्लांट समेत उन सभी क्रॉप्स की फार्मिंग करवाई जाएगी जिनको हम दूसरे राज्यों से महंगे दामों पर मंगाते हैं.

जल संरक्षण पर भी काम करेंगे

सीएसए के साइंटिस्ट जल संरक्षण की न्यू टेक्नोलॉजी खोजेंगे. वीसी डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि 1 साल में औसत बारिश 900 मिली मीटर होती है अगर इस बारिश के पानी को संरक्षित कर लिया जाए तो पूरे साल पानी की कमी नहीं होगी. इसके लिए सीएसए के साइंटिस्ट प्लान बनाएंगे.

PIC: DAINIK JAGRAN INEXT

सीएसए वीसी डॉ. आनंद कुमार सिंह ने दी जानकारी.

200 मिलियन पॉपुलेशन कुपोषण का शिकार

डॉ सिंह ने बताया कि देश में 200 मिलियन पॉपुलेशन कुपोषण का शिकार है, जिसमें अधिकतर रूलर एरिया में रहने वाले हैं. इसका मुख्य कारण उनमें फाइनेंशियल क्राइसिस है. ऐसे में अगर उनकी इनकम बढ़ेगी और पोषण युक्त फल और सब्जियां सस्ते होंगे तो कुपोषण भी दूर भागेगा. इसके अलावा साल के 12 महीनों में अलग-अलग तरह की कई फसलों को बोने और उनसे किसानों को लाभ दिलाने का प्रयास किया जाएगा. ऐसी फसलों को बोया जाएगा जो मार्केट में महंगे दामों पर बिकती हैं. कहा कि हमारा उद्देश्य देश को जीरो हंगर पर लाना है.

सिलेबस में होगा बदलाव

एग्रीकल्चर के स्टूडेंट्स को मार्केट के डिमांड के अनुसार रैली करने के लिए सिलेबस में बदलाव होगा. बीएससी, एमएससी और पीएचडी के स्टूडेंट्स को खेती में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मशीन लर्निंग और ड्रोन टेक्नोलॉजी का पाठ पढ़ाया जाएगा. सीएसए यूनिवर्सिटी ने ड्रोन मंगाने के लिए आर्डर कर दिया है. सीएसए से ऐसे स्टूडेंट निकलेंगे जोकि मार्केट के डिमांड के अनुसार ट्रेड हों.

संभावनाओं को तलाशेंगे

उन्होंने बताया कि उदाहरण के तौर पर नारियल का धार्मिक महत्व भी है और इसको हम दूसरे राज्यों से महंगे दाम पर मंगाते हैं. यह समुद्र के किनारे होता है विकल्प के तौर पर गंगा के दोनों किनारों पर इसकी फार्मिंग की संभावनाओं को खोजा जाएगा. आशा है कि रिजल्ट बेहतर होंगे. इसके अलावा कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) के जरिए किसानों को केमिकल फ्री फार्मिंग को लेकर अवेयर किया जाएगा. बताया जाएगा कि केमिकल वाले पेस्टीसाइड्स केवल प्रेजेंट के लिए हैं. फ्यूचर के लिए वह हवा, मिट्टी और पानी को खराब कर रहे हैं. इस मौके पर रजिस्ट्रार डॉ पीके उपाध्याय, डायरेक्टर रिसर्च डॉ पीके सिंह, डॉ विजय यादव, डॉ वीके त्रिपाठी और डॉक्टर खलील खान आदि मौजूद रहे

कोरोना में सिर्फ एग्री इंडस्ट्री ने की ग्रोथ

सीएसए वीसी ने बताया कि हम एग्रीकल्चर फील्ड में बहुत मजबूत है. कोरोना काल में एग्रीकल्चर फील्ड ही मात्र एक ऐसी फील्ड थी, जिसने ग्रोथ दर्ज की है. कोविड-19 पहले सब्जी मसाला का 24000 करोड़ का एक्सपोर्ट होता था जो कि कोविड में बढ़कर 28000 करोड़ हुआ और इस वक्त 32000 करोड़ है. इसके अलावा हॉर्टिकल्चर में प्रोडक्शन 42 मिलियन टन था जो कि बढ़कर 324 मिलियन टन हुआ. इसी तरह नारियल में 200 मिलियन टन प्रोडक्शन था जो कि बढ़कर 24 बिलियन टन हो गया है. बताया कि हमारा देश 1 साल में 7500 करोड़ का नारियल एक्सपोर्ट करता है.

- कोरोना से पहले सब्जी मसाला का एक्सपोर्ट था 24 हजार करोड़ का
- कोरोना में हुआ 28 हजार करोड़ का

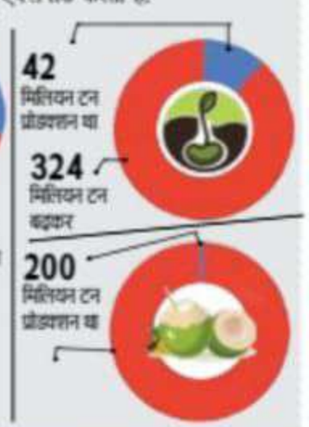

कानपुर : संस्करण
13 जुलाई, 2023
दिनः- गुरुवार
वर्ष : 01, अंक : 221
मूल्य : 03 रुपये, पृष्ठ : 08

दैनिक जीतेगा इंडिया

पढ़ेगा इंडिया-जीतेगा इंडिया

तापमान
सूर्योदय 05.22 | 32 अधिकतम
सूर्यास्त 07.05 | 27 न्यूनतम

सीएसए में नारियल और सब्जी मसाले की होगी खेती

जीतेगा इंडिया संवाददाता, कानपुर। 2023 से लगातार अनाज का उत्पादन बढ़ रहा है और सेल में भी बढ़ोतरी हुई है। अब उत्तर प्रदेश में नारियल की खेती होगी। इसके अलावा सब्जी मसालों की भी खेती की जाएगी। हमारा प्रयास है कि जो मसाले अभी बाहर से खरीदे जाते हैं। उनका भी यहां पर उत्पादन हो। इसके लिए हम अपने किसान भाइयों के साथ मिलकर काम करेंगे। बुधवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय के नए कुलपति प्रो. आनंद कुमार सिंह ने बुधवार को पत्रकारों से वार्ता के दौरान ये बात कही। कोरोना काल के पहले की बात करें तो 24000 करोड़ का निर्यात मसालों का किया गया है लेकिन कोरोना काल के बाद 32000 करोड़ों का निर्यात अब मसालों का हो रहा है। मसालों की असली ताकत को कोविड के बाद लोगों को पता चली है। हमारा प्रयास है लॉन्ग, काली मिर्च इलाइची, जावित्री जैसे मसाले अब यूपी की जमीन में भी हो। इसके लिए हम लोग पूरा खाका तैयार कर रहे हैं। जल्द ही किसानों के साथ बैठक कर इस खेती को आगे बढ़ाने पर काम किया जाएगा। यह खेती अपने यूपी के अंदर भी हो सकती है और इसका अच्छा उत्पादन भी होगा।इसके अलावा उन्होंने कहा कि पूरे भारतवर्ष में नारियल का उत्पादन 24 मिलियन टन था। वर्तमान की बात करें तो अब 24 बिलियन टन पर पहुंच गया है। 21 लाख हेक्टेयर में इसकी खेती की जा रही है। अब हम लोग गंगा किनारे खेती करेंगे। आपको बता दें कि गंगा के किनारे जो नारियल होंगे उसमें मिठास बहुत अधिक होगी। यह नारियल लोगों को बहुत पसंद आएगा। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि प्रदेश के 22 जिलों में फसलों का विविधीकरण बढ़ाने पर काम किया जाएगा। किसानों की आय कैसे बढ़े इस योजना पर काम किया जा रहा है। अगर उत्पादन बढ़ता है तो किसानों की आय भी बढ़ेगी। हम लोग यह देख रहे हैं कि कौन सी खेती कराई जाए, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मिलेट्स की खेती को लेकर काफी जागरूक है। हमारा प्रयास है कि उनकी हर योजना को किसानों तक पहुंचाया जाए। इसके बाद इसके उत्पादन को बढ़ाने पर काम किया जाए।

324 मिलियन टन हो रहा अनाजः कुलपति आनंद कुमार सिंह ने बताया कि पहले के समय 50 मिलियन टन अनाज होता था। यह आंकड़ा आज से लगभग 50 साल पहले का है लेकिन अब हम लोग आजादी के अमृत महोत्सव को मना रहे हैं। पिछले वर्ष 324 मिलियन टन अनाज हुआ है। दिन पर दिन हमारी उत्पादन शक्ति बढ़ रही है। जब कोरोना काल था तब भी कृषि क्षेत्र में काफी अच्छा उत्पादन किया है, जिस समय सारी चीजें पटरी से उतर गई थी। उस समय भी कृषि क्षेत्र काफी मजबूत साबित हुआ है। कुलपति ने कहा कि हमारा एक प्रयास और है कि अब हम लोग औषधि वाली खेती करेंगे। तुलसी, एलोवेरा जैसी चीजों की बहुत मांग है। पहले हम लोग बाजार में देखेंगे किसकी कितनी मांग है। उसके हिसाब से इसका उत्पादन यूपी के अंदर तेजी से बढ़ाया जाएगा, जो धार्मिक धरोहर है उसे बनाने का पहले प्रयास किया जाएगा। मार्केट का सर्वे कराना इसलिए जरूरी है कि किसी चीज का कितना उत्पादन करें ताकि बाद में वह चीज बर्बाद ना हो। हमारा प्रयास है कि परंपरागत खेती हो।

बायोलॉजिकल खेती का रहेगा प्रयासः कुलपति प्रोफेसर आनंद कुमार सिंह ने कहा कि जब से रासायनिक खेती होने लगी है तब से कैंसर, बीपी, शुगर जैसी बीमारियां तेजी से बढ़ी है। इसलिए हम किसानों को पहले जागरूक करेंगे कि वह रासायनिक खेती ना करें क्योंकि किसान भाई उत्पादन को बढ़ाने के लिए रासायनिक खेती करते हैं। मगर उन्हें इन सब चीजों से रूबरू कराएंगे और बायोलॉजिकल तरीके से खेती कराएंगे। इसके लिए अगर उन्हें प्रशिक्षण भी देना पड़ा तो वह भी दिया जाएगा।

22 मिलियन टन हुआ टमाटरः उन्होंने बताया कि अपने देश में 18 मिलियन टन टमाटर की जरूरत है। इस वर्ष करीब 22 मिलियन टन टमाटर हुआ है। 114 हेक्टेयर में इसकी खेती की गई है। टमाटर क्यों महंगा है? इस सवाल पर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन विशेषज्ञों की मानें तो बिचौलिए की वजह से टमाटर काफी महंगा है, क्योंकि वह लोग उसका भंडारण किए हुए हैं। **पाठ्यक्रम तक सीमित ना रहे छात्र छात्राएंः** प्रोफेसर सिंह ने कहा कि छात्र-छात्राएं अपने पाठ्यक्रम तक ही सीमित ना रहे। आजकल प्रतिस्पर्धा का जमाना है। आपको आगे बढ़कर कुछ अलग करके दिखाना है। इसलिए पढ़ाई के साथ-साथ आपको यह भी पता होना चाहिए कि सरकार की कितनी योजनाएं हैं और उस योजनाओं को किसानों तक कैसे पहुंचाया जाए। तभी आप आगे बढ़ सकते हैं। वर्तमान समय में हम लोग 210 फसलों पर शोध कर रहे हैं।

शाश्वत टाइम्स
हिन्दी दैनिक
कानपुर/लखनऊ
13/07/2023

उत्तर प्रदेश में नारियल और सब्जी मसाले की होगी खेती

नितिन सिंह

शाश्वत टाइम्स कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति ने कहा रासायनिक खेती की जगह जैविक खेती पर दिया जाएगा जोर उत्तर प्रदेश में पौष्टिक अनाजों के उत्पादन को बढ़ाना है और किसानों को इसके लिए जागरूक करना ही पहली प्राथमिकता है। यह बात चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनंद कुमार सिंह ने बुधवार को पत्रकारों से वार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों सेलगातार अनाज का उत्पादन बढ़ रहा है और बिक्री में भी बढ़ोतरी हुई है। अब उत्तर प्रदेश में नारियल की खेती होगी। इसके अलावा सब्जी मसालों की भी खेती की जाएगी। हमारा प्रयास है कि जो मसाले अभी बाहर से खरीदे जाते हैं। उनका भी यहां पर उत्पादन हो। इसके लिए हम अपने किसान भाइयों के साथ मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि कोविड में समझ में आया मसालों का महत्व कुरौना काल के पहले की बात करें तो 24000 करोड़ का निर्यात मसालों का किया गया है लेकिन कोरोना काल के बाद 32000 करोड़ों का निर्यात अब मसालों का हो रहा है । उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि लौंग,काली मिर्च,इलाइची,जावित्री जैसे मसाले अब यूपी की जमीन में भी हो इसके लिए हम लोग पूरा खाका तैयार कर रहे हैं।जल्द ही किसानों के साथ बैठक कर इस खेती को आगे बढ़ाने पर काम किया जाएगा। यह खेती अपने यूपी के अंदर भी हो सकती है और इसका अच्छा उत्पादन भी होगा। इसके अलावा उन्होंने कहा कि पूरे भारतवर्ष में नारियल का उत्पादन 24 मिलियन टन था। वर्तमान की बात करें तो अब 24 बिलियन टन पर पहुंच गया है। 21 लाख हेक्टेयर में इसकी खेती की जा रही है। अब हम लोग गंगा किनारे खेती करेंगे। आपको बता दें कि गंगा के किनारे जो नारियल होंगे उसमें मिठास बहुत अधिक होगी। यह नारियल लोगों को बहुत पसंद आएगा।

22 मिलियन टन हुआ टमाटर

उन्होंने बताया कि अपने देश में 18 मिलियन टन टमाटर की जरूरत है। इस वर्ष करीब 22 मिलियन टन टमाटर हुआ है। 114 हेक्टेयर में इसकी खेती की गई है। टमाटर क्यों महंगा है? इस सवाल पर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन विशेषज्ञों की मानें तो बिचौलिए की वजह से टमाटर काफी महंगा है, क्योंकि वह लोग उसका भंडारण किए हुए हैं।

बायोलॉजिकल खेती का रहेगा प्रयास

कुलपति प्रोफेसर आनंद कुमार सिंह ने कहा कि जब से रासायनिक खेती होने लगी है तब से कैंसर, बीपी, शुगर जैसी बीमारियां तेजी से बढ़ी है। इसलिए हम किसानों को पहले जागरूक करेंगे कि वह रासायनिक खेती ना करें क्योंकि किसान भाई उत्पादन को बढ़ाने के लिए रासायनिक खेती करते हैं। मगर उन्हें इन सब चीजों से रूबरू कराएंगे और बायोलॉजिकल तरीके से खेती कराएंगे। इसके लिए अगर उन्हें प्रशिक्षण भी देना पड़ा तो वह भी दिया जाएगा।

अपने पाठ्यक्रम तक सीमित न रहे छात्र छात्राएं

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि छात्र-छात्राएं अपने पाठ्यक्रम तक ही सीमित ना रहे। आजकल प्रतिस्पर्धा का जमाना है। आपको आगे बढ़कर कुछ अलग करके दिखाना है। इसलिए पढ़ाई के साथ-साथ आपको यह भी पता होना चाहिए कि सरकार की कितनी योजनाएं हैं और उस योजनाओं को किसानों तक कैसे पहुंचाया जाए। तभी आप आगे बढ़ सकते हैं। वर्तमान समय में हम लोग 210 फसलों पर शोध कर रहे हैं। इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ पी के सिंह, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्य, निदेशक कृषि प्रसार डॉक्टर आरके यादव, निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय यादव, कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय, मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान , डॉक्टर नौशाद खान, डॉ राम भाटी सिंह एवं डॉ वी के त्रिपाठी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

324 मिलियन टन हो रहा अनाज

कुलपति आनंद कुमार सिंह ने बताया कि पहले के समय 50 मिलियन टन अनाज होता था। यह आंकड़ा आज से लगभग 50 साल पहले का है लेकिन अब हम लोग आजादी के अमृत महोत्सव को मना रहे हैं। पिछले वर्ष 324 मिलियन टन अनाज हुआ है। दिन पर दिन हमारी उत्पादन शक्ति बढ़ रही है। जब कोरोना काल था तब भी कृषि क्षेत्र में काफी अच्छा उत्पादन किया है, जिस समय सारी चीजें पटरी से उतर गई थी। उस समय भी कृषि क्षेत्र काफी मजबूत साबित हुआ है।

प्रदेश के 22 जिलों में फसल का विविधीकरण बढ़ाना है

कुलपति ने कहा कि हमारा एक प्रयास और है कि अब हम लोग औषधि वाली खेती करेंगे। तुलसी, एलोवेरा जैसी चीजों की बहुत मांग है। पहले हम लोग बाजार में देखेंगे किसकी कितनी मांग है। उसके हिसाब से इसका उत्पादन यूपी के अंदर तेजी से बढ़ाया जाएगा, जो धार्मिक धरोहर है उसे बनाने का पहले प्रयास किया जाएगा। मार्केट का सर्वे कराना इसलिए जरूरी है कि किसी चीज का कितना उत्पादन करें ताकि बाद में वह चीज बर्बाद न हो। हमारा प्रयास है कि परंपरागत खेती हो।

हिंदुस्तान कानपुर 13/07/2023

कानपुर के नारियल का लुत्फ लेंगे यूपी के लोग

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। उप्र जल्द ही कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल व आंध्र प्रदेश का नहीं बल्कि कानपुर समेत गंगा तटीय इलाकों के नारियल पानी का लुत्फ उठाएगा। गंगा तटीय इलाकों में नारियल की पैदावार के लिए सीएसए विवि ने प्रयास शुरू कर दिया है। जल्द वैज्ञानिकों की टीम रिसर्च के आधार पर रिपोर्ट तैयार करेगी और किसानों की मदद से नारियल के साथ खस व अन्य औषधी पौधों को लगाया जाएगा। वर्तमान में 21 लाख हेक्टेअर में 24 बिलियन टन नारियल उत्पादन हो रहा है। यह जानकारी विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने दी।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के कुलपति कक्ष में कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने बुधवार को विभिन्न नई योजनाओं को पत्रकारों से साझा किया। कहा, किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रमुख फसलों के बजाए विविधीकरण नीति को बढ़ाना होगा। देश में वैज्ञानिक 210 प्रकार की फसलों पर शोध कर रहे हैं। जबकि किसान मुख्य रूप से सिर्फ चार प्रमुख फसलों पर ही निर्भर है। देश में कुल 324 मिलियन टन उत्पादन हो रहा है। इस मौके पर रजिस्ट्रार डॉ. पीके उपाध्याय, डॉ. सीएल मौर्य, डॉ. पीके सिंह, डॉ. राम बटुक सिंह, डॉ. विजय यादव, डॉ. खलील खान, डॉ. नौशाद खान आदि मौजूद रहे।

बुधवार को सीएसए कुलपति आनंद सिंह ने दी अहम जानकारी।

कानपुर समेत आसपास होगा लौंग, काली मिर्च, जावित्री : डॉ. आनंद कुमार सिंह ने कहा कि प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मसालों का उत्पादन भी कानपुर समेत आसपास जिलों में करने की तैयारी है। लौंग, काली मिर्च, इलाइची, जावित्री जैसे मसाले को यहां की जलवायु के अनुरूप पैदा करने का पूरा खाका तैयार हो गया है।

ड्रोन टेक्नोलॉजी इन एग्रीकल्चर का पाठ पढ़ेंगे छात्र : कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने बताया कि विवि में ड्रोन मंगाया है। जल्द प्रशिक्षण छात्रों को दिया जाएगा। अगले साल ड्रोन टेक्नोलॉजी इन एग्रीकल्चर का विशेष कोर्स भी शुरू करने की तैयारी है।

उत्तर प्रदेश में नारियल व सब्जी मसाले की होगी खेती

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति ने कहा रासायनिक खेती की जगह जैविक खेती पर दिया जाएगा जोर

कानपुर। उत्तर प्रदेश में पौष्टिक अनाजों के उत्पादन को बढ़ाना है और किसानों को इसके लिए जागरूक करना ही पहली प्राथमिकता है। यह बात चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनंद कुमार सिंह ने बुधवार को पत्रकारों से वार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों सेलगातार अनाज का उत्पादन बढ़ रहा है और बिक्री में भी बढ़ोतरी हुई है। अब उत्तर प्रदेश में नारियल की खेती होगी। इसके अलावा सब्जी मसालों की भी खेती की जाएगी। हमारा प्रयास है कि जो मसाले अभी बाहर से खरीदे जाते हैं। उनका भी यहां पर उत्पादन हो। इसके लिए हम अपने किसान भाइयों के साथ मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि कोविड में समझ में आया मसालों का महत्व कुरौना काल के पहले की बात करें तो 24000 करोड़ का निर्यात मसालों का किया गया है लेकिन कोरोना काल के बाद 32000 करोड़ों का निर्यात अब मसालों का हो रहा है । उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि लौंग,काली मिर्च, इलाइची,जावित्री जैसे मसाले अब यूपी की जमीन में भी हो इसके लिए हम लोग पूरा खाका तैयार कर रहे हैं । जल्द ही किसानों के साथ बैठक कर इस खेती को आगे बढ़ाने पर काम किया जाएगा। यह खेती अपने यूपी के अंदर भी हो सकती है और इसका अच्छा उत्पादन भी होगा। इसके अलावा उन्होंने कहा कि पूरे भारतवर्ष में नारियल का उत्पादन 24 मिलियन टन था। वर्तमान की बात करें तो अब 24 बिलियन टन पर पहुंच गया है। 21 लाख हेक्टेयर में इसकी खेती की जा रही है। अब हम लोग गंगा किनारे खेती करेंगे। आपको बता दें कि गंगा के किनारे जो नारियल होंगे उसमें मिठास बहुत अधिक होगी। यह नारियल लोगों को बहुत पसंद आएगा।

औषधियों की करेंगे खेती

कुलपति ने कहा कि हमारा एक प्रयास और है कि अब हम लोग औषधि वाली खेती करेंगे। तुलसी, एलोवेरा जैसी चीजों की बहुत मांग है। पहले हम लोग बाजार में देखेंगे किसकी कितनी मांग है। उसके हिसाब से इसका उत्पादन यूपी के अंदर तेजी से बढ़ाया जाएगा, जो धार्मिक धरोहर है उसे बनाने का पहले प्रयास किया जाएगा। मार्केट का सर्वे कराना इसलिए जरूरी है कि किसी चीज का कितना उत्पादन करें ताकि बाद में वह चीज बर्बाद न हो। हमारा प्रयास है कि परंपरागत खेती हो।

22 मिलियन टन हुआ टमाटर

उन्होंने बताया कि अपने देश में 18 मिलियन टन टमाटर की जरूरत है। इस वर्ष करीब 22 मिलियन टन टमाटर हुआ है। 114 हेक्टेयर में इसकी खेती की गई है। टमाटर क्यों महंगा है? इस सवाल पर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन विशेषज्ञों की मानें तो बिचौलिए की वजह से टमाटर काफी महंगा है, क्योंकि वह लोग उसका भंडारण किए हुए हैं।

अपने पाठ्यक्रम तक सीमित न रहे छात्र छात्राएं

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि छात्र-छात्राएं अपने पाठ्यक्रम तक ही सीमित ना रहे। आजकल प्रतिस्पर्धा का जमाना है। आपको आगे बढ़कर कुछ अलग करके दिखाना है। इसलिए पढ़ाई के साथ-साथ आपको यह भी पता होना चाहिए कि सरकार की कितनी योजनाएं हैं और उस योजनाओं को किसानों तक कैसे पहुंचाया जाए। तभी आप आगे बढ़ सकते हैं। वर्तमान समय में हम लोग 210 फसलों पर शोध कर रहे हैं। इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ पी के सिंह, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्य, निदेशक कृषि प्रसार डॉक्टर आरके यादव, निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय यादव, कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय, मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान , डॉक्टर नौशाद खान, डॉ राम भाटी सिंह एवं डॉ वी के त्रिपाठी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

प्रदेश के 22 जिलों में फसल का विविधीकरण बढ़ाना है

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि प्रदेश के 22 जिलों में फसलों का विविधीकरण बढ़ाने पर काम किया जाएगा। किसानों की आय कैसे बढ़े इस योजना पर काम किया जा रहा है। अगर उत्पादन बढ़ता है तो किसानों की आय भी बढ़ेगी। हम लोग यह देख रहे हैं कि कौन सी खेती कराई जाए, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मोटे अनाजों की खेती को लेकर काफी जागरूक है। हमारा प्रयास है कि उनकी हर योजना को किसानों तक पहुंचाया जाए। इसके बाद इसके उत्पादन को बढ़ाने पर काम किया जाए।

324 मिलियन टन हो रहा अनाज

कुलपति आनंद कुमार सिंह ने बताया कि पहले के समय 50 मिलियन टन अनाज होता था। यह आंकड़ा आज से लगभग 50 साल पहले का है लेकिन अब हम लोग आजादी के अमृत महोत्सव को मना रहे हैं। पिछले वर्ष 324 मिलियन टन अनाज हुआ है। दिन पर दिन हमारी उत्पादन शक्ति बढ़ रही है। जब कोरोना काल था तब भी कृषि क्षेत्र में काफी अच्छा उत्पादन किया है, जिस समय सारी चीजें पटरी से उतर गई थी। उस समय भी कृषि क्षेत्र काफी मजबूत साबित हुआ है।

बायोलॉजिकल खेती का रहेगा प्रयास

कुलपति प्रोफेसर आनंद कुमार सिंह ने कहा कि जब से रासायनिक खेती होने लगी है तब से कैंसर, बीपी, शुगर जैसी बीमारियां तेजी से बढ़ी है। इसलिए हम किसानों को पहले जागरूक करेंगे कि वह रासायनिक खेती ना करें क्योंकि किसान भाई उत्पादन को बढ़ाने के लिए रासायनिक खेती करते हैं। मगर उन्हें इन सब चीजों से रूबरू कराएंगे और बायोलॉजिकल तरीके से खेती कराएंगे। इसके लिए अगर उन्हें प्रशिक्षण भी देना पड़ा तो वह भी दिया जाएगा।

अमर उजाला कानपुर 13/07/2023

गंगा किनारे खोजेंगे नारियल व मसालों की खेती की संभावना

सीएसए के कुलपति बोले, वैज्ञानिकों के साथ मिलकर खेती पर होगा शोध

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। अब नारियल और सब्जी मसालों के लिए उत्तर प्रदेश को दूसरे राज्यों पर निर्भर नहीं होना पड़ेगा। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक अब यूपी में गंगा के किनारे नारियल और सब्जी मसालों की खेती के अवसर खोजने के लिए रिसर्च करेंगे। यह जानकारी विवि के कुलपति प्रो. आनंद कुमार ने दी।

बुधवार को विवि में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि इसके अलावा कृषि के प्रति छात्रों का रुझान बढ़ाने के लिए ड्रोन तकनीक का कोर्स शुरू किया जाएगा। अगले सत्र से इस कोर्स में छात्रों का प्रवेश शुरू किया जाएगा। अगले साल से ड्रोन टेक्नोलॉजी इन एग्रीकल्चर का विशेष कोर्स भी शुरू करने की तैयारी है। किताबी ज्ञान से अधिक छात्रों को फील्ड का ज्ञान दिया जाएगा।

प्रो. आनंद ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रमुख फसलों के बजाय विविधीकरण नीति को बढ़ाना होगा। देश में वैज्ञानिक 210 प्रकार की फसलों पर शोध कर रहे हैं जबकि किसान मुख्य रूप से सिर्फ चार प्रमुख फसलों पर ही निर्भर हैं। देश में कुल 324 मिलियन टन उत्पादन हो रहा है। इस मौके पर रजिस्ट्रार डॉ. पीके उपाध्याय, डॉ. सीएल मौर्य, डॉ. पीके सिंह, डॉ. राम बटुक सिंह, डॉ. विजय यादव, डॉ. खलील खान, डॉ. नौशाद खान आदि मौजूद रहे।

वैज्ञानिकों की टीम बाजार का करेगी सर्वे

कुलपति ने कहा कि वैज्ञानिकों की एक टीम बनाई है, जो प्रदेश के विवि से संबद्ध 22 जिलों के बाजार का सर्वे करेगी। यह पता लगाया जाएगा कि दूसरे प्रदेश से आयात किए जाने वाले किन उत्पादों को उत्तर प्रदेश में विकसित किया जा सकता है। लौंग, काली मिर्च, इलाइची, जावित्री जैसे मसाले को यहां की जलवायु के अनुरूप पैदा करने का पूरा खाका तैयार हो गया है।

औषधियों की करेंगे खेती

कुलपति ने कहा कि औषधि की खेती भी की जाएगी। तुलसी, एलोवेरा की बहुत मांग है। उत्पादन से पहले बाजार का सर्वे कराना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब से रासायनिक खेती होने लगी है, तब से कैंसर, बीपी, शुगर जैसी बीमारियां तेजी से बढ़ी हैं। इसलिए किसानों को आर्गेनिक खेती के प्रति जागरूक किया जाएगा।

Kanpur, Thursday
13 July 2023
KANPUR EDITION
Price ₹ 3.00/-
Pages 12

दैनिक जागरण

www.inextlive.com
Published from KANPUR • Agra • Bareilly • Dehradun • Gorakhpur • Jamshedpur • Lucknow • Meerut • Patna • Prayagraj • Ranchi • Varanasi

बंगाल में फिर भड़की हिंसा }07
राहतः कल से सस्ता मिलेगा टमाटर }07

inext DYNAMIC EDITION

RED & HOT!

डिमांड से 4 मिलियन टन ज्यादा प्रोडक्शन फिर भी टमाटर महंगा

एक्सपर्ट्स का कहना, मिडिल मैन और फसल में बीमारियों की वजह से दाम में हुई बढ़ोतरी

kanpur@inext.co.in

KANPUR (12 July): शर्मा जी बाजार में सब्जी लेने गए. टमाटर की दुकान पर टमाटर को बड़े ही सम्मान से देखते हुए शर्मा जी दुकानदार से पूछा, ये टमाटर क्या हिसाब दिए हैं. दुकानदार बोला, बस 15 रुपए का एक है साहब.. 15 का एक, अरे यह तो किलो में बिकता है, पीस में कहां, तो दुकानदार ने कहा, अब टमाटर के भाव बढ़ गए हैं, किलो में कौन लेता है, 150 रुपए किलो हैं. एक किलो में करीब दस चढ़ते हैं तो 15 रुपए का एक बैंच रहा है.

भले ही यह एक मजाक सा लगे, लेकिन सच यह है कि लोगों की किचेन से लेकर सत्ता के गलियारों तक में यह टमाटर अपनी अलग चर्चा का विषय बना हुआ है. डेढ़ सौ रुपए प्रति किलो बिक रहा टमाटर वीवीआईपी हो गया है. आम घरों से लेकर छोटे मोटे होटल्स और रेस्टोरेंट से टमाटर गायब हो गया है. लेकिन, अगर आपको ये पता चले कि देश में टमाटर का प्रोडक्शन डिमांड से कहीं ज्यादा है तो शॉक तो लगेगा ही. ऐसे में सोचना लाजिमी है कि फिर टमाटर इतना 'लाल' क्यों हो रहा है. इसके पीछे कौन कौन से कारण हैं?

बड़ी मात्रा में खेतों में और ट्रांसपोर्टेशन के दौरान ही सड़ जाता

18 मिलियन टन सालाना डिमांड देश में टमाटर की

22 मिलियन टन टमाटर का प्रोडक्शन हुआ

4 मिलियन टन ज्यादा प्रोडक्शन हुआ टमाटर का

2200 करोड़ की प्यूरी हर साल एक्सपोर्ट होती है

150 रुपए प्रति किलो बिक रहा टमाटर वर्तमान में

क्यों महंगा

बारिश के कारण खेतों में पानी भरने से फसल बर्बाद हो गई

बड़ी मात्रा में टमाटर दूसरे देशों को भी एक्सपोर्ट कर दिया जाता है

प्रोडक्शन का बड़ा हिस्सा प्यूरी और कैचअप बनाने में हो जाता है इस्तेमाल

22 मिलियन टन का इस साल प्रोडक्शन

एग्रीकल्चर फील्ड में रिसर्च के लिए जाने पहचाने नाम और कानपुर स्थित सीएसए यूनिवर्सिटी के वीसी डॉ. आनंद कुमार सिंह ने बताया कि देश में टमाटर की डिमांड 18 मिलियन टन सालाना के आसपास रहती है. इस साल की बात करें तो 22 मिलियन टन प्रोडक्शन हुआ है. ऐसे में डिमांड से 4 मिलियन टन ज्यादा प्रोडक्शन हुआ है. इस के बाद टमाटर में बढ़े दामों के पीछे मिडिल मैन और टमाटर में लगने वाली बीमारियों का हाथ है. खेत से कंज्यूमर तक पहुंचने के बीच में पड़ने वाले मिडिल मैन दाम बढ़ने वाले प्रमुख कारणों में से एक हैं.

बीते साल 89 हजार मीट्रिक टन एक्सपोर्ट

खाद्य तेल हो या ईंधन, जब भी महंगा होता है तो इसके पीछे की वजह इम्पोर्ट बताई जाती है. ऐसे में सबके मन में सवाल आ सकता है कि क्या टमाटर भी बाहर से इम्पोर्ट करना पड़ता है? तो आपको बता दें कि चीन के बाद टमाटर की उपज सबसे ज्यादा भारत में होती है. भारत हर वर्ष दो करोड़ टन से अधिक टमाटर पैदा कर रहा है. भारत ने पिछले वर्ष 89 हजार मीट्रिक टन टमाटर को एक्सपोर्ट भी किया है.

कब बोकर कब तैयार होती है फसल?

भारत में सबसे ज्यादा टमाटर मध्य प्रदेश, आंध्र, कर्नाटक और महाराष्ट्र में उगाया जाता है. एक फसल अगस्त से सितंबर के बीच बोई जाती है. दूसरी फसल फरवरी से जुलाई के बीच तैयार की जाती है. फरवरी वाली फसल में अप्रैल तक फूल और जून-जुलाई में टमाटर तैयार होकर मिलता है. यानी अभी जो टमाटर बाजार में होना चाहिए वो फरवरी से जुलाई के बीच तैयार होकर बिकने वाली फसल है.

2200 करोड़ की प्यूरी

इंडिया से सालाना 2200 करोड़ की प्यूरी एक्सपोर्ट होती है. इसमें देखने वाली बात यह है कि हर वैरायटी के टमाटर से प्यूरी नहीं बनती है. ज्यादा गूदा और कम पानी वाले टमाटर से ही प्यूरी बनती है. इसके अलावा बोतल और पैकेट्स में मिलने वाला टोमैटो कैचअप भी टमाटर से ही बनता है. ये कैचअप आम दिनों के टमाटर के रेट के हिसाब से काफी महंगा होता है.

38 बिजनेसमैन देश में करते टमाटर का बिजनेस

सीएसए वीसी डॉ. आनंद ने बताया कि देश में टमाटर का बिजनेस करने वाले मात्र 38 बिजनेसमैन हैं. यह खेत से टमाटर को खरीदकर स्टोरेज करके मांग के अनुसार मार्केट में पहुंचाते हैं. इनके पास टमाटर को स्टोर करने के लिए सेफ स्टोर भी हैं. कुछ के पास तो खुद के फार्म हैं, जिनमें वह टमाटर को उगाकर बेचने का काम करते हैं.

कुछ मौसम की मार तो कुछ व्यापारियों की कालाबाजारी

व्यापारियों का कहना है कि टमाटर महंगा होने का कारण ये है कि हरियाणा, राजस्थान, यूपी एमपी की फसल खराब हो गई है. इस वक्त दिल्ली की मंडी हिमाचल के टमाटर पर डिपेंड है, वहां तीस पीसदी फसल की कमी हुई है. इसीलिए दाम में तेजी है. बताया जा रहा है कि देसी टमाटर बैंगलुरू से आ रहा है. लोकल टमाटर सब सड़ गए हैं, इसलिए ही टमाटर महंगा हो गया है.

वहीं कुछ मीडिया है जो यूनियन बनाकर ट्रक लगा रहे और मनमानी से बेच रहे हैं. बीते तीन सालों में भी बारिश में टमाटर के दामों में बढ़ोतरी का ट्रैंड दिखा है. पिछले साल यानी 2022 के में टमाटर के दाम 60-70 रुपए किलो तक पहुंच गए थे. इससे पहले 2021 में दाम 100 रुपए और 2020 में दाम 70-80 रुपए प्रति किलो के करीब पहुंचे थे.

सप्लाई चेन पर करना होगा काम

सीएसए यूनिवर्सिटी के वीसी डॉ. आनंद कुमार सिंह ने बताया कि बारिश में टमाटर के दाम बढ़ना कोई नई बात नहीं है. इस महंगाई से पब्लिक को सेफ करने के लिए सप्लाई चेन को बेहतर बनाना होगा. कुछ ऐसी व्यवस्था बनानी होगी, जिससे किसान के खेत से बाजार और कंज्यूमर तक टमाटर सुरक्षित और आसानी से पहुंचे.

1 टमाटर फटने के बाद सड़ता बहुत जल्दी है. इसलिए खरीफ की फसल में किसान टमाटर कम बोता है. क्योंकि तोड़ाई के समय गर्मी व बारिश दोनों होती है. सप्लाई चेन बनाते समय ख्याल रखना होगा कि टमाटर कंज्यूमर तक पहुंचने में सही दशा में रहे.

2 इस अचानक आने वाली महंगाई से भी बचने का उपाय है. पहला उपाय, ये है कि किसानों को बारिश के मौसम से पहले ही फसल उगाने की तैयारी करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए, क्योंकि बारिश रोक नहीं सकते.

3 गर्मी में टमाटर सस्ता रहता है, ट्रांसपोर्टेशन सरल होता है, तब ही टमाटर प्रोसेस करके प्यूरी बनाकर बोतल में रखने के काम पर जोर दिया जाए, बारिश से पहले ही टमाटर प्रोसेस करके रखा जाएगा तो किसान को उचित दाम मिलेगा.

"बारिश के कारण नासिक के अलावा चौबेपुर शिवराजपुर आदि में टमाटर की फसल खराब हो गई है. डेली 4-5 गाड़ियां टमाटर बंगलुरु से ही आ रहा है. नासिक से न के बराबर टमाटर आ रहा है. बंगलुरु के टमाटर का एवरेज रेट 100 रुपए किलो पड़ रहा है. 115 रुपए किलो के आसपास चकरपुर मंडी में बेचा जा रहा है.

सौरभ पांडेय, होलसेल व्यापारी, चकरपुर मंडी

Spl project launched to replace chemical farming with organic farming: Dr Singh

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

Vice Chancellor of the CSAUAT, Dr AK Singh addressing his maiden press conference on Wednesday.

Vice-Chancellor of the Chandra Shekhar Azad University of Agriculture and Technology (CSAUA&T), Dr Anand Kumar Singh while addressing the presspersons on Wednesday said the price of tomato had shot to the zenith due to massive hoarding carried out by middlemen. He said this year there was a production of 22 million tonne (MT) of tomato although the country only needed 18 million tonne. He said the varsity was currently holding research work on 210 crops.

Addressing his maiden press conference he said a special project had been launched to replace chemical farming with organic farming and reason was to boost production of nutritional foodgrains which can be done provided the farmers were made aware of the latest research work and modern methods of farming. He said that since the past several years the foodgrain production was constantly increasing and as a result the sale had drastically shot up as well. He said efforts will now be made to cultivate coconut and also grow spices. He said the varsity was focused on ensuring that the spices which were purchased from other states and countries needed to be stopped and grown in Uttar Pradesh and thus it had been decided to work in tandem with farmers.

Dr Singh said during Corona period spices to the tune of ₹24,000 crore were exported and thus effort will now be made to grow all spices like clove, black pepper, cardamom and mace were cultivated in UP soil. He said a framework had to be developed in this regard. He said the varsity will soon hold an interaction with farmers so as to give momentum in this direction. He said this farming will be done in UP soil and will give a beneficial crop as well. He said as per officials records in India there had been a total production of 24 billion tonne of coconut and it was being cultivated in over 21 lakh hectare of land in UP. He said this will be cultivated on the banks of Ganga and said this variety will be much more sweeter. He said earlier the foodgrain production was 50 MT but today it had reached a whopping figure of 324 MT. He said it will not be an exaggeration to state that with each passage of day agriculture in UP was not only increasing leaps and bounds but was becoming more and more profitable. He said 22 districts had been brought under the purview and said if the project succeeded then the foodgrain production will shoot up. Dr Singh said it had also been decided to promote herbal farming and added that there was a great demand for basil leaves and aloe vera. He said a market survey will be carried out to find out its demand and thus on the basis production will be done.

He said focus will be on traditional pattern of farming which was in fact biological farming and said form the time chemical farming surfaced there had been a steep rise in cancer, BPO and diabetes. He said the varsity faculty will convince farmers to distance themselves from chemical farming and the faculty will give them practical training as well. He said students of the varsity will be motivated to adopt the out of box approach as it was a time for competition. Dr CL Maurya, Dr RK Yadav, Dr Vijay Yadav, Dr PK Upadhyaya, Dr Khalil Khan and others were present.

नारियल और सब्जी मसाले की अब यूपी में होगी खेती-कुलपति

कानपुर। सीएसए के कुलपति ने कहा रासायनिक खेती की जगह जैविक खेती पर दिया जाएगा जोर उत्तर प्रदेश में पौष्टिक अनाजों के उत्पादन को बढ़ाना है और किसानों को इसके लिए जागरूक करना ही पहली प्राथमिकता है यह बात चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आनंद कुमार सिंह ने बुधवार को पत्रकारों से वार्ता के दौरान कही उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों से लगातार अनाज का उत्पादन बढ़ रहा है और बिक्री में भी बढ़ोतरी हुई है अब उत्तर प्रदेश में नारियल की खेती होगी इसके अलावा सब्जी मसालों की भी खेती की जाएगी हमारा प्रयास है कि जो मसाले अभी बाहर से खरीदे जाते हैं उनका भी यहां पर उत्पादन हो इसके लिए हम अपने किसान भाइयों के साथ मिलकर काम करेंगे उन्होंने कहा कि कोविड में समझ में आया मसालों का महत्व कोरोना काल के पहले की बात करें तो 24000 करोड़ का निर्यात मसालों का किया गया है लेकिन कोरोना काल के बाद 32000 करोड़ों का निर्यात अब मसालों का हो रहा है उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि लौंग, काली मिर्च, इलाइची, जावित्री जैसे मसाले अब यूपी की जमीन में भी हो इसके लिए हम लोग पूरा खाका तैयार कर रहे हैं जल्द ही किसानों के साथ बैठक कर इस खेती को आगे बढ़ाने पर काम किया जाएगा यह खेती अपने यूपी के अंदर भी हो सकती है और इसका अच्छा उत्पादन भी होगा इसके अलावा उन्होंने कहा कि पूरे भारतवर्ष में नारियल का उत्पादन 24 मिलियन टन था वर्तमान की बात करें तो अब 24 बिलियन टन पर पहुंच गया है 21 लाख हेक्टेयर में इसकी खेती की जा रही है अब हम लोग गंगा किनारे खेती करेंगे आपको बता दें कि गंगा के किनारे जो नारियल होंगे उसमें मिठास बहुत अधिक होगी यह नारियल लोगों को बहुत पसंद आएगा 324 मिलियन टन हो रहा अनाज कुलपति आनंद कुमार सिंह ने बताया कि पहले के समय 50 मिलियन टन अनाज होता था यह आंकड़ा आज से लगभग 50 साल पहले का है लेकिन अब हम लोग आजादी के अमृत महोत्सव को मना रहे हैं पिछले वर्ष 324 मिलियन टन अनाज हुआ है दिन पर दिन हमारी उत्पादन शक्ति बढ़ रही है जब कोरोना काल था तब भी कृषि क्षेत्र में काफी अच्छा उत्पादन किया है, जिस समय सारी चीजें पटरी से उतर गई थी उस समय भी कृषि क्षेत्र काफी मजबूत साबित हुआ है

प्रदेश के 22 जिलों में फसल का विविधीकरण बढ़ाना है-प्रोफेसर सिंह ने कहा कि प्रदेश के 22 जिलों में फसलों का विविधीकरण बढ़ाने पर काम किया जाएगा किसानों की आय कैसे बढ़े इस योजना पर काम किया जा रहा है अगर उत्पादन बढ़ता है तो किसानों की आय भी बढ़ेगी हम लोग यह देख रहे हैं कि कौन सी खेती कराई जाए, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मोटे अनाजों की खेती को लेकर काफी जागरूक है हमारा प्रयास है कि उनकी हर योजना को किसानों तक पहुंचाया जाए इसके बाद इसके उत्पादन को बढ़ाने पर काम किया जाए।

औषधियों की करेंगे खेती- कुलपति ने कहा कि हमारा एक प्रयास और है कि अब हम लोग औषधि वाली खेती करेंगे। तुलसी, एलोवेरा जैसी चीजों की बहुत मांग है पहले हम लोग बाजार में देखेंगे किसकी कितनी मांग है उसके हिसाब से इसका उत्पादन यूपी के अंदर तेजी से बढ़ाया जाएगा, जो धार्मिक धरोहर है उसे बनाने का पहले प्रयास किया जाएगा मार्केट का सर्वे कराना इसलिए जरूरी है कि किसी चीज का कितना उत्पादन करें ताकि बाद में वह चीज बर्बाद न हो हमारा प्रयास है कि परंपरागत खेती हो बायोलॉजिकल खेती का रहेगा प्रयास कुलपति प्रोफेसर आनंद कुमार सिंह ने कहा कि जब से रासायनिक खेती होने लगी है तब से कैंसर, बीपी, शुगर जैसी बीमारियां तेजी से बढ़ी है

इसलिए हम किसानों को पहले जागरूक करेंगे कि वह रासायनिक खेती ना करें क्योंकि किसान भाई उत्पादन को बढ़ाने के लिए रासायनिक खेती करते हैं मगर उन्हें इन सब चीजों से रूबरू कराएंगे और बायोलॉजिकल तरीके से खेती कराएंगे इसके लिए अगर उन्हें प्रशिक्षण भी देना पड़ा तो वह भी दिया जाएगा 22 मिलियन टन हुआ टमाटर उन्होंने बताया कि अपने देश में 18 मिलियन टन टमाटर की जरूरत है। इस वर्ष करीब 22 मिलियन टन टमाटर हुआ है 114 हेक्टेयर में इसकी खेती की गई है। टमाटर क्यों महंगा है? इस सवाल पर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन विशेषज्ञों की मानें तो बिचौलिए की वजह से टमाटर काफी महंगा है, क्योंकि वह लोग उसका भंडारण किए हुए हैं। अपने पाठ्यक्रम तक सीमित न रहे छात्र छात्राएं प्रो. सिंह ने कहा कि छात्र-छात्राएं अपने पाठ्यक्रम तक ही सीमित ना रहे। आजकल प्रतिस्पर्धा का जमाना है आपको आगे बढ़कर कुछ अलग करके दिखाना है इसलिए पढ़ाई के साथ-साथ आपको यह भी पता होना चाहिए कि सरकार की कितनी योजनाएं हैं और उस योजनाओं को किसानों तक कैसे पहुंचाया जाए तभी आप आगे बढ़ सकते हैं वर्तमान समय में हम लोग 210 फसलों पर शोध कर रहे हैं। इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ पी के सिंह, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्य, निदेशक कृषि प्रसार डॉक्टर आरके यादव, निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय यादव, कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय, मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान , डॉक्टर नौशाद खान, डॉ राम भाटी सिंह एवं डॉ वी के त्रिपाठी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

लाइसेंसी बंदूक से फायर करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

साउथ दिल्ली के घर में शिफ्ट होंगे राहुल... 12

निशक्त जन सेवा संस्थान कैंप में मोतियाबिंद... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ

वर्षः 14 | अंकः 269

मूल्यः ₹3.00/-

पेज : 12

गुरुवार | 13 जुलाई, 2023

'यूपी में जल्द ही नारियल और सब्जी के साथ-साथ मसालों की खेती होगी'

जन एक्सप्रेस। प्रदीप शर्मा

कानपुर नगर। उत्तर प्रदेश में अब नारियल और सब्जी मसालों की खेती की जाएगी जिन मसालों को बाहर से खरीदना पड़ता है उनका भी उत्पादन अपने प्रदेश में किए जाने का प्रयास है इसके लिए किसानों के साथ मिलकर काम किया जाएगा। यह बात बुधवार को चंद्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.आनंद कुमार सिंह ने प्रेस वार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों से प्रदेश में अनाज का उत्पादन बढ़ रहा है हमारा प्रयास है कि लौंग,काली मिर्च, इलाइची,जावित्री जैसे मसाले अब यूपी की जमीन में भी हो इसके लिए जल्द ही किसानों के साथ बैठक कर खेती को आगे बढ़ाने का काम किया जाएगा। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि प्रदेश के 22 जिलों में फसलों का विविधीकरण बढाने, किसानों की आय बढ़ाने पर काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोटे अनाजो की खेती को लेकर काफी जागरूक हैं उनकी हर योजना को किसानों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि औषधि वाली खेती जैसे तुलसी, एलोवेरा आदि की खेती का उत्पादन यूपी के अंदर मांग के हिसाब से बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब से रासायनिक खेती होने लगी है तब से कैंसर, बीपी, शुगर जैसी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं इसके लिए किसानों को रासायनिक खेती का प्रयोग न कर बायोलॉजिकल तरीके से खेती करने संबंधी विषय पर जागरूक किया जाएगा। उन्होंने छात्र-छात्राओं को कहा कि वह अपने विषय तक सीमित न रहे बल्कि पढ़ाई के साथ साथ उन्हें सरकारी योजनाओं की जानकारी भी होनी चाहिए। आज की प्रतिस्पर्धा के समय कुछ अलग करके ही आप आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने बताया कि हम लोग 210 फसलों पर शोध कार्य कर रहे हैं।

इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ.पी. के. सिंह, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. सी. एल. मौर्य, निदेशक कृषि प्रसार डॉ.आर.के. यादव, निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ. विजय यादव, कुलसचिव डॉ.पी.के. उपाध्याय, डॉ.खलील खान, डॉ.नौशाद खान सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

दिन प्रतिदिन बढ़ रही है हमारी उत्पादन शक्ति : कुलपति

कुलपति प्रोफेसर आनंद कुमार सिंह ने कहा कि भारतवर्ष में नारियल का उत्पादन 24 मिलियन टन था जबकि वर्तमान में 24 बिलियन तक पहुंच गया है। 21 लाख हेक्टेयर में इसकी खेती की जा रही है। उन्होंने बताया कि आज से लगभग 50 साल पहले 50 मिलियन टन अनाज होता था जबकि पिछले वर्ष 324 मिलियन टन अनाज हुआ है। उन्होंने कहा कि दिन-प्रतिदिन हमारी उत्पादन शक्ति बढ़ रही है कोरोना कॉल के पहले 24000 करोड़ मसालों का निर्यात किया गया है लेकिन कोरोना काल के बाद अब 32000 करोड़ का निर्यात मसालों का हो रहा है। टमाटर के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि अपने देश में 18 मिलीयन टन टमाटर की जरूरत है इस वर्ष लगभग 22 मिलियन टन टमाटर हुआ है।

दैनिक जागरण कानपुर 13/07/2023

'बिचौलियों की वजह से बढ़ीं टमाटर की कीमतें'

जासं, कानपुर : देश में प्रतिवर्ष कुल 180 लाख टन टमाटर की मांग है। इस वर्ष 220 लाख टन उत्पादन हुआ है। अधिक उत्पादन के बाद भी कीमतें बढ़ने के पीछे मुख्य वजह बिचौलिये हैं। टमाटर की आपूर्ति श्रृंखला को बेहतर बनाना जरूरी है, ताकी खेत से ग्राहक तक टमाटर आसानी से पहुंचे। देश के कारोबारी प्रतिवर्ष 2,200 करोड़ की टमाटर की प्यूरी यानी चटनी दूसरे देशों को निर्यात करते हैं। ये बातें बुधवार को सीएसए कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह ने प्रेसवार्ता में कहीं।

पदभार ग्रहण करने के बाद पहली बार मीडिया से बात करते हुए कुलपति ने कहा कि कोरोना महामारी से पहले 24 हजार करोड़ का सब्जी मसाले का निर्यात होता था जो कोरोना काल में बढ़कर 28 हजार करोड़ हो गया। वर्तमान में यह आंकड़ा 32 हजार करोड़ तक पहुंच चुका है। बागवानी में उत्पादन 420 लाख टन से 3,240 लाख टन, नारियल 240 लाख टन से 2,400 लाख टन उत्पादन हो गया है। भारत से प्रतिवर्ष 7,500 करोड़ का नारियल निर्यात होता है। उन्होंने कहा कि कृषि के बीएससी, एमएससी और पीएचडी के छात्रों को पाठ्यक्रम में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और ड्रोन तकनीक के बारे में पढ़ाएंगे। देश में 200 मिलियन जनसंख्या कुपोषण का शिकार है। यहां रजिस्ट्रार डा. पीके उपाध्याय, निदेशक शोध डा. पीके सिंह, डा. विजय यादव, डा. वीके त्रिपाठी, मीडिया प्रभारी डा. खलील खान मौजूद रहे।

किसान साल में दो बार लगाएं मक्के की फसल : देश वर्ष 2025 तक अनाज से लगभग पांच लाख लीटर एथेनाल का उत्पादन करना चाहता है। ऐसे में भविष्य में एथेनाल उत्पादन के लिए मक्का अच्छी संभावना वाली फसल हो सकती है। ये बातें बुधवार को भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान लुधियाना के निदेशक डा. एचएस जाट ने राष्ट्रीय शर्करा संस्थान द्वारा आयोजित वर्चुअल कार्यकारी विकास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं। संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन ने गन्ना आधारित उद्योग में मौजूद अपार संभावनाओं पर कहा चीनी उद्योग के सह उत्पाद और यहां तक कि अपशिष्ट भी कई मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन की संभावनाएं प्रदान करते हैं।

प्रेस वार्ता में जानकारी देते सीएसए के कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह ● जागरण

गंगा किनारे नारियल, 22 जिलों में औषधीय पौधे लगाएंगे

कृषि विज्ञानी गंगा किनारे बसे गांवों में नारियल, खस और औषधीय पौधों की खेती की संभावना तलाशेंगे। एक साल में औसतन 900 मिलीमीटर वर्षा होती है। यदि वर्षा के पानी को संरक्षित कर लें तो जल संकट का खतरा टलेगा। 22 जिलों में मसालों और औषधीय पौधों सहित उन सभी फसलों की खेती कराई जाएगी जिनको दूसरे राज्यों से महंगी कीमतों पर मंगाया जाता है।

2200
करोड़ की प्यूरी दूसरे देशों को भारतीय कारोबारी प्रतिवर्ष करते हैं निर्यात

देश में टमाटर की मांग व उत्पादन लाख टन

आज 13/07/2023 महानगर

गंगा किनारे नारियल की खेती की तैयारी

❑ थोरिकल्स नहीं, छात्रों को डिजिटल, ड्रोन एवं एआई तकनीक की दी जाएगी जानकारियां

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 12 जुलाई। किसानों की आमदनी को बढ़ाने के लिए अब गंगा किनारे जिलों में नारियल की खेती कराये जाने की तैयारी है, जिससे किसानों की आय दोगुनी होगी। औषधीय सुगंधित फसलें, मसाला खेती को बढ़ावा देने के साथ ही महंगी फसलों की खेती करने को किसानों को जागरुक किया जाएगा। साथ ही ड्रोन तकनीक स्टूडेंट्स के सिलेबस का हिस्सा बनायेंगे और ड्रोन खरीद कर छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। बुधवार को यह जानकारी चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनंद कुमार सिंह ने आज पत्रकारों को दी। कुलपति ने बताया कि देश में कुल 324 मिलियन टन खाद्यान की पैदावार हो रही है, जिसमें 112 मिलियन टन गेहूं, 133 मिलियन टन चावल, 34 मिलियन टन मक्का, 52 मिलियन टन मोटे अनाज आदि शामिल है। कोविंड के दौरान भी कृषि की ग्रोथ बढ़ी रही है और अब हम मसाला से जुड़े व्यवसाय का 24 हजार करोड़ तक निर्यात कर रहे है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों की टीम 22 जिलों की बाजारों का सर्वे करायेगी, जिसमें कौन-कौन से उत्पाद दूसरे प्रदेशों से आ रहे है उनकी विस्तृत रिपोर्ट तैयार होगी। देश में वैज्ञानिक 210 फसलों पर शोध कर रहे है। फसलों के विविधीकरण के तहत यूपी के 22 जिलों में किसानों की आमदनी बढ़ाये जाने पर जोर दिया जा रहा है, जिसके तहत अब गंगा किनारे नारियल, खसखस की खेती के लिए किसानों को जागरुक किया जाएगा। क्योंकि अब बड़े पैमाने पर यूपी नारियल की खपत हो रही है, जोकि अन्य राज्यों से आता है। औषधीय सुगंधित खेती, एलोवेरा, मसाला आदि को बढ़ावा देने के साथ बाजार भी तलाशा जाएगा। वार्ता के दौरान कुलसचिव डा. पी.के. उपाध्याय, निदेशक शोध डॉ पी के सिंह, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. सी एल मौर्य, डा. आरके यादव, डॉ विजय यादव, डा. नौशाद खान, मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान आदि मौजूद रहे।

कुलपति प्रो. आनंद कुमार सिंह

■ ड्रोन तकनीक को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनायेगा सीएसए

सप्लाई चेन गड़बड़ाने से सातवें आसमान पर पहुंचे टमाटर के दाम

(आज समाचार सेवा)

कानपुर। खुले बाजार में टमाटर 150 से 160 रुपये किलो बिक रहा है। सप्लाई चेन में गड़बड़ाने की वजह से टमाटर महंगा हुआ है। देश में टमाटर की पैदावार 22 मिलियन टन है, जबकि खपत करीब 18 मिलियन टन। साथ ही हर साल की तरह इस बार भी 114 हेक्टेअर में टमाटर की पैदावार हुई है। सीएसए के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने बताया कि देश में सप्लाई चेन को और मजबूत करने की जरूरत है।

खेतों में फल टूटने से लेकर बाजार तक पहुंचाने के लिए विशेष व्यवस्था होनी चाहिये। उनका कहना है कि इस बार सप्लाई चेन में गड़बड़ी, अत्याधिक बारिश, और महंगे ट्रांसपोर्टेशन के कारण टमाटर के दाम आसमान छू रहे है। वर्तमान में टमाटर मुख्य रूप से हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश आदि से भी टमाटर आ रहा है। अगस्त आते ही महाराष्ट्र से भी टमाटर आना शुरू हो जाएगा।

rni no uphin47232

उपदेश टाइम्स

कानपुर से प्रकाशित एवं कानपुर, उन्नाव, लखनऊ, गोण्डा, जौनपुर, फिरोजाबाद, जालौन उरई, कन्नौज, फर्रुखाबाद, एटा से प्रसारित

: 168 ● कानपुर, गुरूवार 13 जुलाई 2023 ● पृष्ठ:

यूपी में अब होगी नारियल और सब्जी की खेती

कानपुर नगर उपदेश टाइम्स सीएसए के कुलपति ने कहा रासायनिक खेती की जगह जैविक खेती पर दिया जाएगा जोर उत्तर प्रदेश में पौष्टिक अनाजों के उत्पादन को बढ़ाना है और किसानों को इसके लिए जागरूक करना ही पहली प्राथमिकता है यह बात चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आनंद कुमार सिंह ने बुधवार को पत्रकारों से वार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों से लगातार अनाज का उत्पादन बढ़ रहा है और बिक्री में भी बढ़ोतरी हुई है अब उत्तर प्रदेश में नारियल की खेती होगी इसके अलावा सब्जी मसालों की भी खेती की जाएगी। हमारा प्रयास है कि जो मसाले अभी बाहर से खरीदे जाते हैं उनका भी यहां पर उत्पादन हो इसके लिए हम अपने किसान भाइयों के साथ मिलकर काम करेंगे।उन्होंने कहा कि कोविड में समझ में आया मसालों का महत्व कोरोना काल के पहले की बात करें तो 24000 करोड़ का निर्यात मसालों का किया गया है लेकिन कोरोना काल के बाद 32000 करोड़ों का निर्यात अब मसालों का हो रहा है उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि लौंग, काली मिर्च, इलाइची, जावित्री जैसे मसाले अब यूपी की जमीन में भी हो इसके लिए हम लोग पूरा खाका तैयार कर रहे हैं जल्द ही किसानों के साथ बैठक कर इस खेती को आगे बढ़ाने पर काम किया जाएगा यह खेती अपने यूपी के अंदर भी हो सकती है और इसका अच्छा उत्पादन भी होगा। इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ पी के सिंह, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्य, निदेशक कृषि प्रसार डॉक्टर आरके यादव, निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय यादव, कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय, मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान , डॉक्टर नौशाद खान, डॉ राम भाटी सिंह एवं डॉ वी के त्रिपाठी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

Postal Regn No. THC/253/2021-2023 RNI: MAHHIN/2021/79655

दैनिक भोर वैभव

महाराष्ट्र । उत्तरप्रदेश । राजस्थान । मध्यप्रदेश । बिहार

MORNING GLORY | हर ख़बर सत्य और तथ्य के साथ

Hindi Daily | Thursday, 13 July 2023 | Mumbai | Page : 6 | Price: Rs

हिंदी दैनिक | गुरुवार, 13 जुलाई 2023 | मुंबई | पृष्ठ : 6 | मूल्य : ₹

उत्तर प्रदेश में नारियल और सब्जी मसाले की होगी खेती : कुलपति

भोर वैभव । दीपक गौड़

कानपुर- चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति ने कहा रासायनिक खेती की जगह जैविक खेती पर दिया जाएगा जोर उत्तर प्रदेश में पौष्टिक अनाजों के उत्पादन को बढ़ाना है और किसानों को इसके लिए जागरूक करना ही पहली प्राथमिकता है यह बात चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आनंद कुमार सिंह ने बुधवार को पत्रकारों से वार्ता के दौरान कही उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षो से लगातार अनाज का उत्पादन बढ़ रहा है और बिक्री में भी बढ़ोतरी हुई है अब उत्तर प्रदेश में नारियल की खेती होगी इसके अलावा सब्जी मसालों की भी खेती की जाएगी हमारा प्रयास है कि जो मसाले अभी बाहर से खरीदे जाते हैं उनका भी यहां पर उत्पादन हो इसके लिए हम अपने किसान भाइयों के साथ मिलकर काम करेंगे उन्होंने कहा कि कोविड में समझ में आया मसालों का महत्व कोरोना काल के पहले की बात करें तो 24000 करोड़ का निर्यात मसालों का किया गया है लेकिन कोरोना काल के बाद 32000 करोड़ों का निर्यात अब मसालों का हो रहा है उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि लौंग, काली मिर्च, इलाइची, जावित्री जैसे मसाले अब यूपी की जमीन में भी हो इसके लिए हम लोग पूरा खाका तैयार कर रहे हैं जल्द ही किसानों के साथ बैठक कर इस खेती को आगे बढ़ाने पर काम किया जाएगा यह खेती अपने यूपी के अंदर भी हो सकती है और इसका अच्छा उत्पादन भी होगा इसके अलावा उन्होंने कहा कि पूरे भारतवर्ष में नारियल का उत्पादन 24 मिलियन टन था वर्तमान की बात करें तो अब 24 बिलियन टन पर पहुंच गया है 21 लाख हेक्टेयर में इसकी खेती की जा रही है अब हम लोग गंगा किनारे खेती करेंगे। आपको बता दें कि गंगा के किनारे जो नारियल होंगे उसमें मिठास बहुत अधिक होगी यह नारियल लोगों को बहुत पसंद आएगा।

324 मिलियन टन हो रहा अनाज :

कुलपति आनंद कुमार सिंह ने बताया कि पहले के समय 50 मिलियन टन अनाज होता था यह आंकड़ा आज से लगभग 50 साल पहले का है लेकिन अब हम लोग आजादी के अमृत महोत्सव को मना रहे हैं पिछले वर्ष 324 मिलियन टन अनाज हुआ है दिन पर दिन हमारी उत्पादन शक्ति बढ़ रही है जब कोरोना काल था तब भी कृषि क्षेत्र में काफी अच्छा उत्पादन किया है, जिस समय सारी चीजें पटरी से उतर गई थी उस समय भी कृषि क्षेत्र काफी मजबूत साबित हुआ है

प्रदेश के 22 जिलों में फसल का विविधीकरण बढ़ाना है :

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि प्रदेश के 22 जिलों में फसलों का विविधीकरण बढ़ाने पर काम किया जाएगा किसानों की आय कैसे बढ़े इस योजना पर काम किया जा रहा है अगर उत्पादन बढ़ता है तो किसानों की आय भी बढ़ेगी हम लोग यह देख रहे हैं कि कौन सी खेती कराई जाए, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मोटे अनाजों की खेती को लेकर काफी जागरूक है हमारा प्रयास है कि उनकी हर योजना को किसानों तक पहुंचाया जाए इसके बाद इसके उत्पादन को बढ़ाने पर काम किया जाएं

औषधियों की करेंगे खेती

कुलपति ने कहा कि हमारा एक प्रयास और है कि अब हम लोग औषधि वाली खेती करेंगे तुलसी, एलोवेरा जैसी चीजों की बहुत मांग है पहले हम लोग बाजार में देखेंगे किसकी कितनी मांग है उसके हिसाब से इसका उत्पादन यूपी के अंदर तेजी से बढ़ाया जाएगा, जो धार्मिक धरोहर है उसे बनाने का पहले प्रयास किया जाएगा। मार्केट का सर्वे कराना इसलिए जरूरी है कि किसी चीज का कितना उत्पादन करें ताकि बाद में वह चीज बर्बाद न हो हमारा प्रयास है कि परंपरागत खेती हो

बायोलॉजिकल खेती का रहेगा प्रयास :

कुलपति प्रोफेसर आनंद कुमार सिंह ने कहा कि जब से रासायनिक खेती होने लगी है तब से कैंसर, बीपी, शुगर जैसी बीमारियां तेजी से बढ़ी है। इसलिए हम किसानों को पहले जागरूक करेंगे कि वह रासायनिक खेती ना करें क्योंकि किसान भाई उत्पादन को बढ़ाने के लिए रासायनिक खेती करते हैं मगर उन्हें इन सब चीजों से रूबरू कराएंगे और बायोलॉजिकल तरीके से खेती कराएंगे इसके लिए अगर उन्हें प्रशिक्षण भी देना पड़ा तो वह भी दिया जाएगा